



Hargharpanditji

॥ शनिवार व्रत का उद्देश्य ॥

॥ जय शनिदेव महाराज ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ शनिवार व्रत का उद्देश्य ॥

शनिवार का व्रत मुख्य रूप से शनिदेव की कृपा, कर्मों की शुद्धि, जीवन की बाधाओं से मुक्ति और धैर्य की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार शनिदेव कर्मों के फल प्रदान करने वाले देवता माने जाते हैं।

शनिवार व्रत के प्रमुख उद्देश्य

शनिदेव की कृपा प्राप्त करना
श्रद्धापूर्वक व्रत और पूजा करके शनिदेव का आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना की जाती है।

कठिनाइयों और बाधाओं को कम करना

जीवन में लगातार आ रही परेशानियों, विलंब और संघर्षों से राहत की प्रार्थना की जाती है।

साढ़ेसाती और ढैय्या में शांति

ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार साढ़ेसाती या ढैय्या के समय शनिवार की उपासना मानसिक धैर्य और स्थिरता के लिए की जाती है।

कर्मों को सुधारना

शनिवार व्रत व्यक्ति को अपने कर्मों पर विचार करने और गलत कार्यों से दूर रहने की प्रेरणा देता है।

धैर्य और मानसिक शक्ति प्राप्त करना
कठिन परिस्थितियों में संयम, धैर्य और सकारात्मक सोच बनाए रखने के
लिए शनिदेव की आराधना की जाती है।

नौकरी और व्यवसाय में स्थिरता
कार्यक्षेत्र में आने वाली बाधाओं और अनावश्यक विलंब को कम करने
तथा मेहनत का उचित फल मिलने की कामना की जाती है।

आर्थिक स्थिरता की कामना
मेहनत, अनुशासन और दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता के लिए शनिवार
का व्रत किया जाता है।

नकारात्मक प्रवृत्तियों से मुक्ति
अहंकार, क्रोध, लोभ, अन्याय और गलत कर्मों को छोड़कर सदाचार
अपनाने का संकल्प लिया जाता है।

शनिवार व्रत का आध्यात्मिक उद्देश्य

शनिवार व्रत हमें यह सिखाता है कि कठिन समय में भी सत्य, धैर्य और
अच्छे कर्मों का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। शनिदेव की उपासना का सबसे
महत्वपूर्ण संदेश है—अपने कर्मों को शुद्ध रखना और दूसरों के प्रति
न्यायपूर्ण व्यवहार करना।

सरल मंत्र

ॐ शं शनैश्वराय नमः॥